Introduction परिचय

A Simple Economy

Think Of any society, People In the society need many goods and services1 in their everyday life including food. Clothing, shelter, transport facilities like roads and railways, postal services and various other services like that of teachers and doctors. In fact, the list of goods and services that any individual 2 needs is so large that no individual in society, to begin with, has all the things she needs. Every individual has some amount of only a few of the goods and services that she would like to use.

सामान्य अर्थव्यवस्था

किसी भी समाज के विषय में सोचिए। समाज में लोगों को खाना, वस्त्र, घर, सड़क व रेल सेवाओं जैसे यातायात के साधनों, डाक सेवाओं तथा चिकित्सकों–अध्यापको जैसी बहुत–सी वस्तुओं तथा सेवाओं1 की प्रतिदिन जीवन में आवश्यकता होती है। वास्तव में किसी व्यक्ति विशेष 2 को जिन–जिन वस्तुओं या सेवाओं की आवश्यकता होती है, उनकी सूची इतनी लंबी है कि मोटे–तौर पर यह कहा जा सकता है कि समाज में किसी भी व्यक्ति के पास वे सभी वस्तुए नहीं होतीं, जिनकी उसे आवश्यकता होती है। प्रत्येक व्यक्ति जितनी वस्तुओं या सेवाओं का उपभोग करना चाहता है, उनमें से कुछ ही उसे उपलब्ध होती हैं।

Introduction परिचय

A family farm may own a plot of land, some grains, farming implements, maybe a pair of bullocks and also the labour services of the family members. A weaver may have some yarn, some cotton and other instruments required for weaving cloth. The teacher in the local school has the skills required to impart education to the students. Some others in society may not have any resource3 excepting their own labour services. Each of these decision making units can produce some goods or services by using the resources that it has and use part of the produce to obtain the many other goods and services which it needs.

एक कृषक परिवार के पास भूमि का टुकड़ा, थोड़ा अनाज, कृषि के उपकरण, शायद एक जोड़ी बैल तथा परिवार के सदस्यों की श्रम सेवा हो सकती है। एक बुनकर के पास धागा, कुछ कपास तथा कपड़ा बुनने के काम में आने वाले उपकरण हो सकते हैं। स्थानीय विद्यालय की अध्यापिका के पास छात्रों को शिक्षित करने के लिए आवश्यक कौशल होता है। हो सकता है कि समाज के कुछ अन्य व्यक्तियों के पास उनके अपने श्रम के सिवाय और कोई भी संसाधन 3 न हो। इनमें से हर निर्णायक इकाई अपने पास उपलब्ध संसाधनों को उपयोग में लाकर कुछ वस्तुओं व सेवाओं का उत्पादन कर सकती है तथा अपने उत्पाद के एक अंश का प्रयोग अनेक एसी अन्य वस्तुओं व सेवाओं को प्राप्त करने के लिए कर सकती है, जिनकी उसे आवश्यकता है।

Introduction परिचय

For example, the family farm can produce corn, use part of the produce for consumption purposes and procure clothing, housing and various services in exchange for the rest of the produce. Similarly, the weaver can get the goods and services that she wants in exchange for the cloth she produces in her yarn. The teacher can earn some money by teaching students in the school and use the money for obtaining the goods and services that she wants. The labourer also can try to fulfill her needs by using whatever money she can earn by working for someone else.

उदाहरण के लिए, कृषक परिवार अनाज के उत्पादन के बाद उसके एक अंश का उपयोग उपभोग के लिए कर सकता है तथा बाकी के उत्पाद का विनिमय करके वस्त्र, आवास व विभिन्न सेवाएँ प्राप्त कर सकता है। इसी प्रकार, बुनकर सूत–धागे से जो वस्त्र बनाता है उनका विनिमय करके आवश्यकतानुसार वस्तुएँ तथा सेवाएँ प्राप्त कर सकता है। अध्यापिका विद्यालय में छात्रों को पढ़ाकर रुपये कमा सकती है, जिनका उपयोग वह उन वस्तुओं तथा सेवाओं को प्राप्त करने में कर सकती है, जिनकी उसे आवश्यकता है। मज़दूर भी किसी अन्य व्यक्ति के लिए कार्य करके जो कुछ धन कमाता है उससे अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करता है।

Introduction परिचय

In general, every individual in society is engaged in the production of some goods or services and she wants a combination of many goods and services not all of which are produced by her. Needless to say that there has to be some compatibility between what people in society collectively want to have and what they produce 4 . For example, the total amount of corn produced by family farm along with other farming units in a society must match the total amount of corn that people in the society collectively want to consume.

सामान्यत: समाज का प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी वस्तु या सेवा के उत्पादन में संलग्न रहता है तथा उसे एसी कुछ वस्तुओं तथा सेवाओं से संयोजन की आवश्यकता होती है, जिनमें से सभी उसके द्वारा उत्पादित नहीं होतीं। यह कहना अनावश्यक होगा कि किसी भी अर्थव्यवस्था में लोगों की सामूहिक आवश्यकताओं तथा उनके द्वारा किए गए उत्पादन 4 के बीच सुसंगतता होनी चाहिए। उदाहरण के तौर पर, हमारे कृषक परिवार तथा अन्य कृषि इकाइयों द्वारा पैदा किए गए अनाज की मात्रा इतनी अवश्य होनी चाहिए कि वह समाज के सदस्यों के सामूहिक उपभोग के लिए आवश्यक मात्रा के बराबर हो।

Introduction परिचय

If people in the society do not want as much corn as the farming units are capable of producing collectively, a part of the resources of these units could have been used in the production of some other good or services which is in high demand. On the other hand, if people in the society want more corn compared to what the farming units are producing collectively, the resources used in the production of some other goods and services may be reallocated to the production of corn. Similar is the case with all other goods or services.

यदि समाज के लोगों को अनाज की उतनी मात्रा की आवश्यकता नहीं है, जितना कृषक इकाइयां सामूहिक रूप से पैदा कर रही हैं, तो इन इकाइयों के पास उपलब्ध संसाधनों का उन वस्तुओं तथा सेवाओं के उत्पादन के लिए प्रयोग किया जा सकता है, जिनकी माँग बहुत अधिक हो। इसके विपरीत, यदि समाज में लोगों की अनाज की आवश्यकता कृषक इकाइयों द्वारा सम्मिलित रूप से उपजाए जाने वाले अनाज की मात्रा की तुलना में अधिक है, तो दूसरी वस्तुओं तथा सेवाओं के उत्पादन के लिए उपयोग में लाए जा रहे संसाधनों का पुनः विनिधान अनाज के उत्पादन के लिए किया जा सकता है।

Introduction परिचय

Central Problems Of An Economy

Production, exchange and consumption of goods and services are among the basic economic activities of life. In the course of these basic economic activities, every society has to face scarcity of resources and it is the scarcity of resources that gives rise to the problem of choice. The scarce resources of an economy have competing usages. In other words, every society has to decide on how to use its scarce resources. The problems of an economy are very often summarised as follows:

अर्थव्यवस्था की केंद्रीय समस्याएँ

वस्तुओं तथा सेवाओं का उत्पादन, विनिमय तथा उपभोग जीवन की आधारभूत अर्थिक गतिविधियों के अंतर्गत आते हैं। प्रत्येक समाज को इन आधारभूत आर्थिक क्रियाकलापों के दौरान संसाधनों की कमी का सामना करना पडता है तथा संसाधनों की यह कमी ही चयन की समस्या को जन्म देती है। अर्थव्यवस्था में इन दुर्लभ संसाधनों के उपयोग के लिए प्रतिस्पर्धी विकल्प होते हैं। दूसरे शब्दों में, प्रत्येक समाज को यह निर्णय करना पड़ता है कि वह अपने दुर्लभ संसाधनों का किस प्रकार उपयोग करें। अर्थव्यवस्था की समस्याएँ प्राय: संक्षेप में इस प्रकार होती हैं–

Introduction परिचय

What is produced and in what quantities?

Every society must decide on how much of each of the many possible goods and services it will produce. Whether to produce more of food, clothing, housing or to have more of luxury goods. Whether to have more agricultural goods or to have industrial products and services. Whether to use more resources in education and health or to use more resources in building military services. Whether to have more of basic education or more of higher education

किन वस्तुओं का उत्पादन किया जाए और कितनी मात्रा में?

प्रत्येक समाज को निर्णय करना पड़ता है कि प्रत्येक संभावित वस्तुओं तथा सेवाओं में से किन-किन वस्तुओं और सेवाओं का वह कितना उत्पादन करेगा। अधिक खाद्य पदाथा, वस्तुओं या आवासों का निर्माण किया जाए अथवा विलासिता की वस्तुओं का अधिक उत्पादन किया जाए? कृषिजनित वस्तुओं का अधिक उत्पादन किया जाए या औद्योगिक उत्पादों तथा सेवाओं का? शिक्षा तथा स्वास्थ्य पर अधिक संसाधनों का उपयोग किया जाए अथवा सैन्य सेवाओं के गठन पर? बुनियादी शिक्षा को बढ़ाने पर अधिक खर्च किया जाए या उच्च शिक्षा पर?

Introduction परिचय

How are these goods produced?

Every society has to decide on how much of which of the resources to use in the production of each of the different goods and services. Whether to use more labour or more machines. Which of the available technologies to adopt in the production of each of the goods?

इन वस्तुओं का उत्पादन कैसे करते हैं?

प्रत्येक समाज को निर्णय करना पड़ता है कि विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं से उत्पादन करते समय किस-किस वस्तु या सेवा में किस-किस संसाधन की कितनी मात्रा का उपयोग किया जाए। अधिक श्रम का उपयोग किया जाए अथवा मशीनों का? प्रत्येक वस्तु के उत्पादन के लिए उपलब्ध तकनीकों में से किस तकनीक को अपनाया जाए?

Introduction परिचय

For whom are these goods produced?

Who gets how much of the goods that are produced in the economy? How should the produce of the economy be distributed among the individuals in the economy? Who gets more and who gets less? Whether or not to ensure a minimum amount of consumption for everyone in the economy. Whether or not elementary education and basic health services should be available freely for everyone in the economy.

इन वस्तुओं का उत्पादन किसके लिए किया जाए?

अर्थव्यवस्था में उत्पादित वस्तुओं की कितनी मात्रा किसे प्राप्त होगी? अर्थव्यवस्था के उत्पाद का व्यक्ति विशेष के बीच किस प्रकार विभाजित किया जाना चाहिए? किसको अधिक मात्रा प्राप्त होगी तथा किसको कम? यह सुनिश्चित किया जाए अथवा नहीं कि अर्थव्यवस्था की सभी व्यक्तियों को उपभोग की न्यूनतम मात्रा उपलब्ध हो? क्या प्रारंभिक शिक्षा तथा बुनियादी स्वास्थ्य सेवा जैसी सेवाएँ अर्थव्यवस्था के सभी व्यक्तियों को निःशुल्क उपलब्ध करायी जाएँ?

Introduction परिचय

Production Possibility Frontier

Just as individuals face scarcity of resources, the resources of an economy as a whole are always limited in comparison to what the people in the economy collectively want to have. The scarce resources have alternative usages and every society has to decide on how much of each of the resources to use in the production of different goods and services.

सीमांत उत्पादन संभावना

जिस प्रकार व्यक्तियों के पास संसाधनों का अभाव होता है, उसी तरह कुल मिलाकर किसी अर्थव्यवस्था के संसाधन भी उस अर्थव्यवस्था में रहने वाले व्यक्तियों की सम्मिलित आवश्यकताओं की तुलना में सर्वदा सीमित होते हैं। दुर्लभ संसाधनों के वैकल्पिक उपयोग होते हैं तथा प्रत्येक समाज को यह निर्णय करना पड़ता है कि वस्तुओं तथा सेवाओं के उत्पादन के लिए प्रत्येक संसाधन का कितनी मात्रा में उपयोग किया जाना है।

Introduction परिचय

In other words, every society has to determine how to allocate its scarce resources to different goods and services.The collection of all possible combinations of the goods and services that can be produced from a given amount of resources and a given stock of technological knowledge is called the production possibility set of the economy.

दूसरे शब्दों में, प्रत्येक समाज को यह निर्णय लेना होता है कि विभिन्न वस्तुओं तथा सेवाओं के उत्पादन के लिए वह अपने दुर्लभ संसाधनों का विनिधान किस प्रकार करे। उपलब्ध संसाधनों की मात्रा तथा उपलब्ध प्रौद्योगिकीय ज्ञान के द्वारा उत्पादित की जा सकने वाली सभी वस्तुओं तथा सेवाओं के सभी संभावित संयोगों के समूह को अर्थव्यवस्था का उत्पादन संभावना सेट कहते हैं।

Introduction परिचय

Consider an economy which can produce corn or cotton by using its resources. Table 1.1 gives some of the combinations of corn and cotton that the economy can produce. When its resources are fully utilised.

एक एसी अर्थव्यवस्था को लें, जो अपने संसाधनों का उपयोग करके अनाज या कपास का उत्पादन कर सकती है। तालिका 1.1 में अनाज तथा कपास के उन कुछ संयोग को दर्शाया गया है, जिनका उत्पादन उस अर्थव्यवस्था में संभव है। जब इसके संसाधन पूर्णतया प्रयुक्त किए जाते हैं।

Introduction परिचय

Production Possibilities

Possibilities	Corn	Cotton
A	0	10
B	1	9
C	2	7
D	3	4
E	4	0

Introduction परिचय

The figure illustrates the production possibilities of the economy. Any point on or below the curve represents a combination of corn and cotton that can be produced with the economy's resources. The curve gives the maximum amount of corn that can be produced in the economy for any given amount of cotton and vice-versa. This curve is called the Production Possibility Frontier.

वक्र पर अथवा उसके नीचे स्थित कोई भी बिंदु अनाज तथा कपास के उस संयोग को दर्शाती है, जिसका उत्पादन अर्थव्यवस्था के संसाधनों द्वारा संभव है। यह वक्र कपास की किसी निश्चित मात्रा के बदले अनाज की अधिकतम संभावित उत्पादित मात्रा तथा अनाज के बदले कपास की मात्रा दर्शाता है। इस वक्र को सीमांत उत्पादन संभावना कहते हैं।

Introduction परिचय

The Production Possibility Frontier gives the combinations of corn and cotton that can be produced when the resources of the economy are fully utilised. Note that a point lying strictly below the production possibility frontier represents a combination of corn and cotton that will be produced when all or some of the resources are either underemployed or are utilised in a wasteful fashion.

सीमांत उत्पादन संभावना

अनाज तथा कपास के उन संयोगों को दर्शाती है, जिनका उत्पादन अर्थव्यवस्था के संसाधनों का पूर्णरूप से उपयोग करने पर किया जाता है। ध्यान दीजिए कि सीमांत उत्पादन संभावना के ठीक नीचे स्थित कोई भी बिंदु अनाज तथा कपास का वह संयोग दर्शाता है, जो तब उत्पादित होगा जब सभी अथवा कुछ संसाधनों का उपयोग या तो पूरी तरह न किया गया हो अथवा उनका अपव्यय करते हुए किया गया हो। यदि दुर्लभ संसाधनों में से अधिक संसाधनों का उपयोग अनाज के लिए किया जाएगा तो कपास के उत्पादन के लिए कम संसाधन उपलब्ध होंगे।

Introduction परिचय

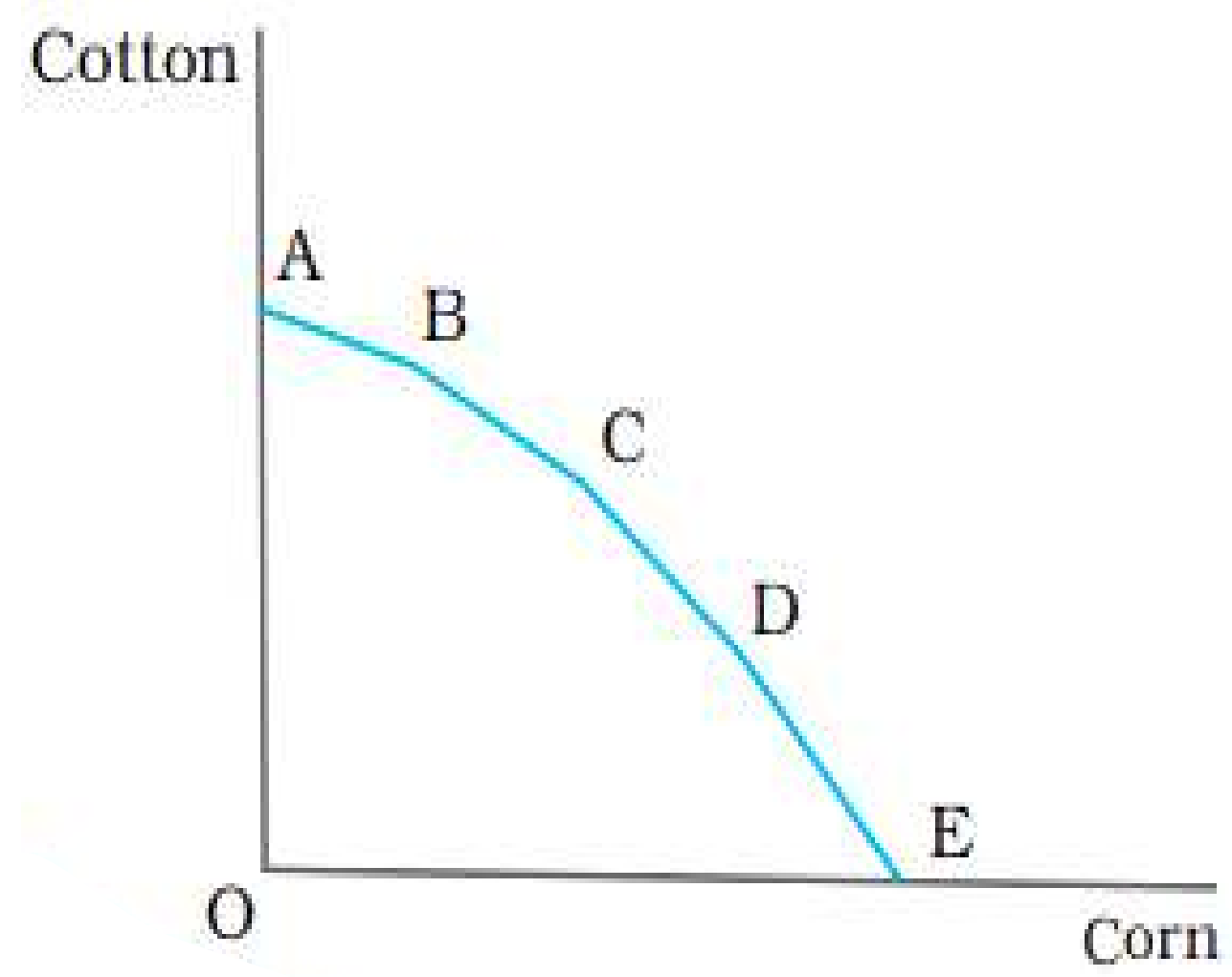

Introduction परिचय

if we want to have more of one of the goods, we will have less of the other good. Thus, there is always a cost of having a little more of one good in terms of the amount of the other good that has to be forgone. This is known as the opportunity costa of an additional unit of the goods.

अत: यदि हम किसी एक वस्तु की अधिक मात्रा प्राप्त करना चाहते हैं, तो अन्य वस्तुओं की कम मात्रा प्राप्त की जा सकेगी। इस प्रकार एक वस्तु की कुछ अधिक मात्रा प्राप्त करने के बदले दूसरी वस्तु की कुछ मात्रा को छोड़ना पड़ता है। इसे वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई प्राप्त करने की अवसर लागतं कहते हैं।

Introduction परिचय

Organisation Of Economic Activities

Basic problems can be solved either by the free interaction of the individuals pursuing their own objectives as is done in the market or in a planned manner by some central authority like the government.

आर्थिक क्रियाकलापों का आयोजन

आर्थिक क्रियाकलाप की आधारभूत समस्याओं को या तो उन व्यक्तियों के निर्बाध अंत:क्रिया द्वारा किया जा सकता है, जैसा कि बाज़ार में होता है या सरकार जैसी किसी केंद्रीय सत्ता द्वारा सुनियोजित

Introduction परिचय

The Centrally Planned Economy

In a centrally planned economy, the government or the central authority plans all the important activities in the economy. All important decisions regarding production, exchange and consumption of goods and services are made by the government. The central authority may try to achieve a particular allocation of resources and a consequent distribution of the final combination of goods and services which is thought to be desirable for society as a whole.

केंद्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था

केंद्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था के अंतर्गत सरकार या केंद्रीय सत्ता उस अर्थव्यवस्था के सभी महत्त्वपूर्ण क्रियाकलापों की योजना बनाती है। वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन, विनिमय तथा उपभोग से संबद्ध सभी महत्त्वपूर्ण निर्णय सरकार द्वारा किये जाते हैं। वह केंद्रीय सत्ता संसाधनों का विशेष रूप से विनिधान करके वस्तुओं एवं सेवाओं का अंतिम संयोग प्राप्त करने का प्रयास कर सकती है; जो पूरे समाज के लिए वाँछनीय है।

Introduction परिचय

E.g. Education or health service, is not produced in adequate amount by the individuals on their own, the government might try to induce the individuals to produce adequate amount of such a good or service or, alternatively, the government may itself decide to produce the good or service.

जैसे– शिक्षा या स्वास्थ्य सेवा, जिसका व्यक्तियों द्वारा स्वयं पर्याप्त मात्रा में उत्पादित नहीं किया जा रहा हो, तो सरकार उन्हें एसी वस्तुओं तथा सेवाओं का उपयुक्त मात्रा में उत्पादन करने के लिए प्रेरित कर सकती है या फिर सरकार स्वयं एसी वस्तुओं तथा सेवाओं का उत्पादन करने का निर्णय कर सकती है।

Introduction परिचय

The Market Economy

In contrast to a centrally planned economy, in a market economy, all economic activities are organised through the market. A market, as studied in economics, is an institution6 which organises the free interaction of individuals pursuing their respective economic activities.

बाज़ार अर्थव्यवस्था

केंद्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था के विपरीत बाज़ार अर्थव्यवस्था में सभी आर्थिक क्रियाकलापों का निर्धारण बाज़ार की स्थितियों के अनुसार होता है। अर्थशास्त्र के अनुसार, बाज़ार एक एसी संस्था6 है जो अपने आर्थिक क्रियाकलापों का अनुसरण करने वाले व्यक्तियों को निर्बाध अंत:क्रिया प्रदान करती है।

Introduction परिचय

It is important to note that the term 'market' as used in economics is quite different from the common sense understanding of a market. In particular, it has nothing as such to do with the marketplace as you might tend to think of. For buying and selling commodities, individuals may or may not meet each other in an actual physical location. Interaction between buyers and sellers can take place in a variety of situations such as a village-chowk or a super bazaar in a city, or alternatively, buyers and sellers can interact with each other through telephone or internet and conduct the exchange of commodities.

विशेषरूप से, आप इस बाज़ार के विषय में जो सोचते हैं, उससे इसका कुछ भी लेना-देना नहीं है। वस्तुओं को खरीदने तथा उनके विक्रय के लिए व्यक्ति एक-दूसरे से किसी वास्तविक भौतिक स्थल पर मिल भी सकते है अथवा नहीं भी। क्रेताओं तथा विक्रेताओं के बीच क्रियाकलाप विभिन्न परिस्थितियों में संभव है, जैसे-गाँव के चौक पर या शहर के सुपर बाज़ार में अथवा वैकल्पिक रूप से क्रेता और विक्रेता टेलीफोन अथवा इंटरनेट द्वारा भी वस्तुओं का आदान-प्रदान कर सकते हैं।

Introduction परिचय

In a market system, all goods or services come with a price (which is mutually agreed upon by the buyers and sellers) at which the exchanges take place. The price reflects, on an average, the society's valuation of the good or service in question. If the buyers demand more of a certain good, the price of that good will rise. This signals to the producers of that good that the society as a whole wants more of that good than is currently being produced and the producers of the good, in their turn, are likely to increase their production.

बाज़ार व्यवस्था में प्रत्येक वस्तु तथा सेवा की एक तय कीमत होती है (जिस पर क्रेता एवं विक्रेता में सहमति होती है)। क्रेताओं तथा विक्रेताओं का परस्पर इसी कीमत पर विनिमय होता है। औसतन समाज किसी वस्तु अथवा सेवा का जैसा मूल्यांकन करता है, कीमत उसी मूल्यांकन पर निर्धारित होती है। यदि क्रेता किसी वस्तु की अधिक मात्रा की माँग करते हैं, तो उस वस्तु की कीमत में वृद्धि हो जायेगी। यह उस वस्तु के उत्पादकों को संकेत देता है कि वे उस वस्तु की जिस मात्रा का उत्पादन कर रहे हैं, समाज को उसकी अधिक मात्रा की आवश्यकता है। इस पर उत्पादक उस वस्तु का उत्पादन बढ़ा सकते हैं।

Introduction परिचय

In reality, all economies are mixed economies where some important decisions are taken by the government and the economic activities are by and large conducted through the market. The only difference is in terms of the extent of the role of the government in deciding the course of economic activities. In the United States of America, the role of the government is minimal. The closest example of a centrally planned economy is the China for the major part of the twentieth century. In India, since Independence, the government has played a major role in planning economic activities.

सभी अर्थव्यवस्थाएँ वास्तव में मिश्रित अर्थव्यवस्थाएँ होती हैं जहां महत्त्वपूर्ण निर्णय सरकार द्वारा लिए जाते हैं तथा आर्थिक क्रियाकलाप प्राय: बाज़ार द्वारा ही किए जाते हैं। अंतर केवल इतना है कि आर्थिक क्रियाकलापों के दिशा के निर्धारण में सरकार की भूमिका कितनी अधिक है। संयुक्त राज्य अमेरिका में सरकार की भूमिका न्यूनतम है। बीसवीं सदी की एक लंबी अवधि तक केंद्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था का निकटतम उदाहरण चीन है। भारत में स्वतंत्रता के पश्चात् सरकार ने देश के आर्थिक क्रियाकलापों के नियोजन में प्रमुख भूमिका निभायी है।

Introduction परिचय

Positive And Normative Economics

It was mentioned earlier that in principle there are more than one ways of solving the central problems of an economy. These different mechanisms in general are likely to give rise to different solutions to those problems, thereby resulting in different allocations of the resources and also different distributions of the final mix of goods and services produced in the economy.

सकारात्मक तथा आदर्शक अर्थशास्त्र

यह पहले ही सैद्धांतिक रूप से उल्लेखित किया जा चुका है कि किसी अर्थव्यवस्था की केंद्रीय समस्याओं को सुलझाने के लिए एक से अधिक विधियां होती हैं। ये भिन्न-भिन्न क्रियाविधियां सामान्यत: इन समस्याओं के लिए भिन्न समाधान प्रस्तुत कर सकती हैं, जिसके कारण अर्थव्यवस्था में संसाधनों के विनिधानों में अंतर हो सकता है और उत्पादित वस्तुओं तथा सेवाओं के अंतिम मिश्रण के विनिधान में भी अंतर हो सकता है।

Introduction परिचय

We also try to evaluate the mechanisms by studying how desirable the outcomes resulting from them are. Often a distinction is made between positive economic analysis and normative economic analysis depending on whether we are trying to figure out how a particular mechanism functions or we are trying to evaluate it.

हम इन क्रियाविधियों का मूल्यांकन करने के लिए यह अध्ययन भी करते हैं कि उनसे होने वाले परिणाम कितने अनुकूल होंगे। प्राय: सकारात्मक आर्थिक विश्लेषण तथा आदर्शक आर्थिक विश्लेषण में इस आधार पर अंतर किया जाता है कि क्या हम किसी क्रियाविधि के अंतर्गत होने वाले कार्यों का पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं अथवा उसका मूल्यांकन करने का।

Introduction परिचय

In positive economic analysis, we study how the different mechanisms function, and in normative economics, we try to understand whether these mechanisms are desirable or not. However, this distinction between positive and normative economic analysis is not a very sharp one.

सकारात्मक आर्थिक विश्लेषण के अंतर्गत, हम यह अध्ययन करते हैं कि विभिन्न क्रियाविधियां किस प्रकार कार्य करती हैं, जबकि आदर्शक आर्थिक विश्लेषण में हम यह समझने का प्रयास करते हैं कि ये विधियां हमारे अनुकूल हैं भी या नहीं। तथापि, सकारात्मक तथा आदर्शक आर्थिक विश्लेषण के मध्य यह अंतर पूर्णतः स्पष्ट नहीं है।

Introduction परिचय

Microeconomics And Macroeconomics

Traditionally, the subject matter of economics has been studied under two broad branches: Microeconomics and Macroeconomics. In microeconomics, we study the behaviour of individual economic agents in the markets for different goods and services and try to figure out how prices and quantities of goods and services are determined through the interaction of individuals in these markets.

व्यष्टि अर्थशास्त्र तथा समष्टि अर्थशास्त्र

अर्थशास्त्र परंपरागत रूप से अर्थशास्त्र की विषय-वस्तु का अध्ययन दो व्यापक शाखाओं के अंतर्गत किया जाता रहा है: व्यष्टि अर्थशास्त्र तथा समष्टि अर्थशास्त्र। व्यष्टि अर्थशास्त्र के अंतर्गत हम बाज़ार में उपलब्ध विभिन्न वस्तुओं तथा सेवाओं के परिप्रेक्ष्य में विभिन्न आर्थिक अभिकर्ताओं के व्यवहार का अध्ययन करके यह जानने का प्रयास करते हैं कि इन बाज़ारों में व्यक्तियों की अंतः क्रिया द्वारा वस्तुओं तथा सेवाओं की मात्राएँ और कीमतें किस प्रकार निर्धारित होती हैं।

Introduction परिचय

In macroeconomics, on the other hand, we try to get an understanding of the economy as a whole by focusing our attention on aggregate measures such as total output, employment and aggregate price level. Here, we are interested in finding out how the levels of these aggregate measures are determined and how the levels of these aggregate measures change over time. Some of the important questions that are studied in macroeconomics are as follows:

इसके विपरीत समष्टि अर्थशास्त्र में हम कुल निर्गत, रोज़गार तथा समग्र कीमत स्तर आदि समग्र उपायों पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए पूरी अर्थव्यवस्था को समझने का प्रयास करते हैं। हम यह जानना चाहते हैं कि समग्र उपायों के स्तर किस प्रकार निर्धारित होते हैं तथा उनमें समय के साथ परिवर्तन किस प्रकार आता है। समष्टि अर्थशास्त्र में अध्ययन के कुछ महत्त्वपूर्ण प्रश्न इस प्रकार हैं–

Introduction परिचय

Plan Of The Book

This book is meant to introduce you to the basic ideas in microeconomics. In this book, we will focus on the behaviour of the individual consumers and producers of a single commodity and try to analyse how the price and the quantity is determined in the market for a single commodity.

पुस्तक की योजना

यह पुस्तक आपको व्यष्टि अर्थशास्त्र के आधारभूत विचारों से परिचित कराएगी। इस पुस्तक में हम एक वस्तु के व्यक्तिगत उपभोक्ताओं तथा उत्पादकों के व्यवहार का अध्ययन करते हुए इस बात का विश्लेषण करेंगे कि एक वस्तु के लिए बाज़ार में कीमत तथा मात्रा का निर्धारण किस प्रकार होता है।

Introduction परिचय

In Chapter 2, we shall study the consumer's behaviour. Chapter 3 deals with basic ideas of production and cost. In Chapter 4, we study the producer's behaviour. In Chapter 5, we shall study how price and quantity is determined in a perfectly competitive market for a commodity. Chapter 6 studies some other forms of market.

दूसरे अध्याय में हम उपभोक्ताओं के व्यवहार का अध्ययन करेंगे। तीसरे अध्याय में उत्पादन तथा लागत के आधारभूत विचारों पर चर्चा की गयी है। चौथे अध्याय में हम उत्पादक के व्यवहार का अध्ययन करेंगे। पाँचवे अध्याय में हम यह अध्ययन करेंगे कि किसी वस्तु के लिए एक पूर्ण प्रतिस्पर्धी बाज़ार में कीमत तथा मात्रा का निर्धारण किस प्रकार होता है। छठे अध्याय में बाज़ार के कुछ अन्य स्वरूपों का अध्ययन प्रस्तुत किया गया है।

Introduction परिचय

Consumption - उपभोग

Scarcity - दुर्लभता

Market - बाज़ार

Mixed economy - मिश्रित अर्थव्यवस्था

Microeconomics - व्यष्टि अर्थशास्त्र

Production - उत्पादन

Production possibilities - उत्पादन संभावनाएँ

Market economy - बाज़ार अर्थव्यवस्था

Positive analysis - सकारात्मक विश्लेषण

Macroeconomics - समष्टि अर्थशास्त्र।

Exchange - विनिमय

Opportunity cost - अवसर लागत

Centrally planned economy - केंद्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था

Normative analysis - आदर्शक विश्लेषण